भजन

तर्ज–वो जो कहा था मैंने वो कर दिखाया ना

मरजीया हो के रतन ने रतन निकाला ना
ने रतनपुरी करके दिखाया ना
जो ना किया,किसी ने कभी,वो है किया
जिसने है माया से रूहों को निकाला ना
वो हैं यहीं,देखो जरा,आकर यहां

1– दुख भी सहे लाखों यहां
लाया है रंग पिया का प्यार
इसमें मिला है इनको करार
इस धरती को देखो धाम बनाया ना

2– आये हैं ये रूहों के लिये,रूहें भी हैं इनके लिए
इनसे ही है ये सब बहार
अपने ही आप जाहिर कर दिखाया ना

3– लेके ये नूर बैठे यहां,ढूंढे जिसे सारा जहां
जिसका है सबको इन्तजार
जिसने है अर्श रूहों का दिल बनाया ना